रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

9, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, गुरूवार, 11 मई, 2023 पृष्ठः 8

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान, मिलेगा अच्छा लाभ– डा0 खलील खान

(रहस्य संदेश)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.बिजेन्द्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई की एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे–धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादोंध जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो–तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए। डॉक्टर खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5: तक की कमी आई है।

(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, गुरुवार, 11 मई 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान, मिलेगा अच्छा लाभ..डॉ खलील खान

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.बिजेन्द्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई की एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों/ जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो-तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए । डॉक्टर खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5त्न तक की कमी आई है।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

28, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, बुधवार, 10 मई, 2023 पृष्ठ : 8 मूल्य

'डेयरी फार्मिंग पर प्रारंभ हुआ तीन दिवसीय द्वितीय प्रशिक्षण

(रहस्य संदेश)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में डेयरी फार्मिंग एवं डेरी का विकासष विषय पर तीन दिवसीय (08 से 10 मई 2023) कृषकों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती,पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा की डेरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए काफी अवसर हैं। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने नाडेप कंपोस्ट एवं केंचुआ खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी होती है। तथा फसल उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने कृषि में जैविक उर्वरकों का प्रयोग एवं खेती में लाभ विषय पर बताया।वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं हरे चारे की उपलब्धता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने किया तथा उन्होंने विस्तार से प्रशिक्षण की रूपरेखा पर भी चर्चा की। डेरी फार्मिंग के ये कृषक सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी द्वारा जनपद प्रयागराज एवं मिर्जापुर से आए हुए हैं। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर लगभग 45 किसानों ने प्रतिभाग किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 304 कानपुर, बुधवार 10 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

डेयरी फार्मिंग पर प्रारंभ हुआ द्वितीय प्रशिक्षण

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय में डेयरी फार्मिंग एवं डेरी का विकासष् विषय पर तीन दिवसीय ;08 से 10 मई द्ध कृषकों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेतीएपशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा की डेरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए काफी अवसर हैं।

इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने नाडेप कंपोस्ट एवं केंचुआ खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी होती है। तथा फसल उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने कृषि में जैविक उर्वरकों का प्रयोग एवं खेती में लाभ विषय पर बताया।वैज्ञानिक डॉक्टर

सोहन लाल वर्मा ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं हरे चारे की उपलब्धता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने किया तथा उन्होंने विस्तार से प्रशिक्षण की रूपरेखा पर भी चर्चा की। डेरी फार्मिंग के ये कृषक सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी द्वारा जनपद प्रयागराज एवं मिर्जापुर से आए हुए हैं। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर लगभग 45 किसानों ने प्रतिभाग किया।

डेयरी फार्मिंग पर प्रारंभ हुआ तीन दिवसीय द्वितीय प्रशिक्षण

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय में डेयरी फार्मिंग एवं डेरी का विकासक्ष विषय पर तीन दिवसीय (08 से 10 मई) कृषकों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती,पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा की डेरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए काफी अवसर हैं। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने नाडेप कंपोस्ट एवं केंचुआ खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी होती है। तथा फसल उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने कृषि में जैविक उर्वरकों का प्रयोग एवं खेती में लाभ विषय पर बताया।वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं हरे चारे की उपलब्धता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने किया तथा उन्होंने विस्तार से प्रशिक्षण की रूपरेखा पर भी चर्चा की। डेरी फार्मिंग के ये कृषक सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी द्वारा जनपद प्रयागराज एवं मिर्जापुर से आए हुए हैं। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर लगभग 45 किसानों ने प्रतिभाग किया।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

मंगलवार 09 मई, 2023 | अंक - 372

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY E-

डेयरी फार्मिंग पर प्रारंभ हुआ तीन दिवसीय द्वितीय प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में डेयरी फार्मिंग एवं डेरी का विकास विषय पर तीन दिवसीय (08 से 10 मई 2023) कृषकों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ आर. के. यादव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा की डेरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए काफी अवसर हैं। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने नाडेप कंपोस्ट एवं केंचुआ खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी होती है। तथा फसल उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। सह निदेशक प्रसार डॉ. पी. के. राठी ने कृषि में जैविक उर्वरकों का प्रयोग एवं खेती में लाभ विषय पर बताया। वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं हरे चारे की उपलब्धता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने किया तथा उन्होंने विस्तार से प्रशिक्षण की रूपरेखा पर भी चर्चा की। डेरी फार्मिंग के ये कृषक सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी द्वारा जनपद प्रयागराज एवं मिर्जापुर से आए हुए हैं। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर लगभग 45 किसानों ने प्रतिभाग किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश

नकारात्मकता से भरे लोगों को देश में कुछ... 12

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

उत्तर प्रदेश

5-साल की बच्ची से रेप करने वाला मुठभेड़ में... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 207
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 11 मई, 2023

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई की एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बीते दिन बुधवार को किसानो के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई की एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकालीन में किसान अपने खाली खेतों में गहरी जुताई अवश्य करे। उन्होंने कहा कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने किसानों को मिट्टी

पलटने वाले हल से गहरी जुताई करने की सलाह दी।

जिससे जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक चले जाए। क्योंकि वह सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादों/ जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोत्तरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि किसानो को गर्मी की जुताई दो-तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए। डॉ.खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5 फीसदी तक की कमी आई है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 305 कानपुर, गुरुवार 11 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

खेतों की गहरी जुताई करें किसान:खलील

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉण्बिजेन्द्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई की एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे.धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत की मिट्टी में कार्बनिक खादोंध् जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं

इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो.तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए । डॉक्टर खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 665: तक की कमी आई है।

गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें किसान मिलेगा अच्छा लाभ : डॉ खलील खान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसान भाइयों के लिए गर्मी की खेतों में गहरी जुताई की एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा है कि ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई अपने खाली खेतों में अवश्य करें। डॉक्टर खान ने बताया कि आगामी फसल से अच्छी पैदावार लेने के लिए रबी फसल की कटाई के तुरंत बाद गहरी जुताई कर ग्रीष्म ऋतु में खेत को खाली रखना लाभप्रद होता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके किसान भाई मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई कर दें। खाली खेत में गहरी जुताई मई माह में अवश्य कर लें। इस गहरी जुताई से जो ढेला बनते हैं वे धीरे-धीरे हवा व बरसात के पानी से टूटते रहते हैं। साथ ही जुताई से मिट्टी की सतह पर पड़ी फसल अवशेष की पत्तियां पौधों की जड़ें एवं खेत में उगे हुए खरपतवार आदि नीचे तक जाते हैं। जो सड़ने के बाद खेत

की मिट्टी में कार्बनिक खादों/जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी करते हैं इससे भूमि में वायु संचार एवं जल धारण क्षमता बढ़ जाती है। गहरी जुताई से गर्मी में तेज धूप के कारण कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों के जीवाणु खत्म हो जाते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन जुताई से जलवायु का प्रभाव सुचारु रुप से मिट्टी में होने वाली प्रक्रियाओं पर पड़ता है और वायु तथा सूर्य के प्रकाश की सहायता से मिट्टी में विद्यमान खनिज अधिक सुगमता से पौधे भोजन के रूप में ले लेते हैं उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को गर्मी की जुताई दो-तीन वर्ष में एक बार अवश्य कर देनी चाहिए। डॉक्टर खान ने बताया कि अनुसंधान के परिणामों में यह पाया गया है कि गर्मी की जुताई से भूमि कटाव में 66.5 प्रतिशत तक की कमी आई है।